वार्षिक प्रगति आख्या 2015.16

अध्यक्ष की कलम से –सामाजिक दूरियां : हमारा समाज

उपमान महिला संस्थान तो एक ऐसे कार्य समूह का नाम है जो वर्ष 1996से पीड़ित शोषित और पिछड़े समाज के लिये कार्य कर रहा है। प्रसन्नता तो यह है वह संगठित समूह है जो अपने प्रयासों से समाज में समानता, एकता, अमीर –गरीबी की दूरियां कम करने हेतु संकल्पित है। आज अमीर –अमीर और गरीब तो गरीब होता जा रहा है। गरीबी उन्मूलन हेतू सम्मानित सरकारों ने तमाम व्यवहारिक योजनाओं का संचालन किया है। देश के हर गरीब को राहत पहुचाने के लिये हमारी सरकार प्रतिबद्ध हैं फिर भी न गरीबों की संख्या कम होती है न उत्पीड़न कम होता है और न अपराध। प्रश्न यह है कि गरीब गरीब नहीं रहना चाहता है। सरकारें, विभाग, मंत्रालय, अन्य विकास एजेन्सियां भी किसी को गरीब पीड़ित शोषित नहीं रखना चाहती हैं यहां तक कि हमारे शुभचिंतक पड़ोसी देश भी कुछ अहम मुददों पर हमें आर्थिक तकनीकी सहयोग दे रहे हैं और देने कि लिये तत्पर है। कुछ तो ऐसा है जो समस्याओं से मुक्ति की बजाय यथास्थिति की स्थिति में भी नहीं बल्कि समस्याओं को और विकराल करता जा रहा है।

हां ऐसी स्थिति में उनके कर्त्तव्य बोध की आवश्यकता है जो समाज के प्रति अपने सामाजिक कर्त्तव्यों को पूर्ण करना चाहते हैं हमारी टीम उन्हीं समर्पित महिला सामाजिक सैनिकों, सामाजिक एजेन्टों एवं सोसल इन्जीनियर्स की टीम है जो अपने छोटे छोटे व्यवहारिक और जमीनी प्रयासों से समाज की विकृतियों को दूर करने में समाज के अन्तिम व्यक्ति में स्वयं की आवाज, साहरन, हिम्मत, निर्यण की शक्ति पैदा कर देना चाहते हैं। हमें उन्हें किसी दया कृपा पर नहीं बल्कि अपने बलबूते पर आगे बढ़ता देखना चाहते हैं।

आमुख

आज के राष्ट्र के निर्माण में स्वैच्छिक संस्थाओं और स्वैच्छिक कार्यकताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। बुन्देलखण्ड उ0प्र0 राज्य का एक ऐसा भाग है जो अनेक कारणों से पिछड़ा है। गरीबी अशिक्षा सूखा, सामाजिक विकृतियां, अपराधिक गतिविधियां आदि ऐसी समस्यायें हैं जो वर्षों से अपने विशेष कारणों से जीवित हैं।

उपमान महिला संस्थान झांसी, ललितपुर, टीकमगढ़ जिलों के कुछ भाग में कार्यरत है। जो जल जंगल जमीन जैसे अहम मुददों पर कार्य कर रही हैं शिक्षा, पंचायत, स्वास्थ्य, रोजगार, शोध, कृषि, लघुउघोग, प्रशिक्षण ण्वं सेवा प्रदाता के रुप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सशक्तिकरण की प्रक्रिया से गुजारने हेतु तत्पर है। इस प्रक्रिया से गुजरते हुये जहां वर्ष 2016 अनेक उपलब्धियां दे गया वहीं कई चुनोतियों का सामना भी संस्थान ने किया।

सूखों, गरीबी, भुखमरी और पलायन प्रमुख समाज के बीच जब जब पहुंचे उनकी समस्याओं के सामने उनकी आवश्यकताओं के सामने हमारे प्रयास, हमारे संसाधन, हमारी टीम सीमित प्रतीत हुयी। चुनौतीयों की इन सीमितताओं में अभावों में श्रेष्ठतम परिणाम लाने की। ज्यादातर लाभार्थियों तक पहुंच बनाने की । भला एक संस्था अपने सीमित दायरों में चिन्गारी लगाने का कार्य ही कर सकती है। टूटे विखण्डन समाज में उत्साह फूंकने का कार्य, उन्हें साहस देने का कार्य, जागरुक बनाने, शिक्षा व तकनीकी ज्ञान देने कार्य, उन्हें संगठित करने का कार्य ,उन्हें जगह जगह किये जा रहे प्रयासों से सीखने की क्षमता विकसित करने का कार्य इस वर्ष बहुत ही सफलता पूर्वक तरीके से किया गया जिन्हें पलायन ही विकल्प के रुप में दिख रहा था आज वे खेती कर रहे हैं बैंको से ऋण लेकर

व्यवसाय कर रहे है। पशुपालन, देशी खाघ, उन्नत बीज, देशी कीटनाशकों का प्रयोग कर रहै। पानी संरक्षण, पौधारोपण, किचिन गार्डन, कृषि वानिकी के साथ किसान क्लब युवा मंडल जलागम विकास समितियों का गठन जल सहेली संगठन आदि संगठनों का जन्म समुदाय की सक्रियता व भागीदारी से सम्भव हो सका है। इन उपलब्धियों के लिये हम अपनी प्रबंधकारिणी समिति साथी कर्मो व हमें अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में आर्थिक व तकनीकी सहयोग देने वाली संस्थायें सहकारी संस्थायें, इलेक्ट्रोनिक व प्रिन्ट मीडीया , स्थानीय शासन ,प्रशासन विभागों की अधिकारीयों का साधुवाद करना चाहेगें जिन्होंने हमारे उत्साह को बनाये रखा।

उपमान महिला संस्थान

एक परिचय

परिचय – यह संस्था (उनमान महिला संस्थान) महिलाओं द्वारा महिलाओं के विकास के लिये गठित, सोसायटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1860 एवं एफ0सी0आर0ए0 के अन्तर्गत ंपजीकृत एक लाभकारी अराजनैतिक , धर्मनिपेक्ष एवे स्वैछिक संगठन है। वर्तमान में संस्था बुन्देलखण्ड अंचल के खासकर झांसी ,दतिया और ललितपुर जिले में विगत कई वर्षों से समाज सेवा में सतत संर्लन है। शहरी ण्वं ग्रामीण क्षेत्रों में असहाय, निर्धन जातियों में दलित महिला, बच्चों, विकलांगों के विकास हेतु स्वैच्छिक संगठन के रुप में जन सहभागिता के माध्यम से सामाजिक आर्थिक परिवर्तन की दशा में कार्यरत है। सामाजिक विकास की प्रक्रिया में हम आम नागरिक की सहभागिता व व्यवहार के स्तर को सुनिश्चित करने के प्रति संकल्पित हैं जब तक समाज के अन्तिम व्यक्ति की सोच क्रिया सकारात्मक नहीं होगी विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। यह संस्था व्यक्ति के व्यक्त्रित विकास से समाज के विकास की कल्पना को साकार करना चाहती है।

लक्ष्य – गरीबतम जनसमुदाय का सषक्तिकरण कर समता मूलक समाज की स्थापना करना।

उददेश्य – सामाजिक विकास खासकर महिलाओं के विकास के हरएक पहलू के लिये कार्य करना, शिक्षा, स्वास्थ्य, उन्नत कृषि, आयसृजन, पंचायतीराज ,कानूनी साक्षरता, नेतृत्व, जेण्डरख स्वछता, पानी, मिटटी और पर्यावरण का संरक्षण करना।

कार्यक्षेत्र – झांसी,ललितपुर, उ0प्र0 टीकमगढ़ व दतिया म0प्र0

हमारे कार्य के मुददे –

- स्थाई आजीविका हेतु कृषिगत विधाओं को विकसित करना/करवाना।
- जेण्डर गत संवेदना जाग्रत कर समानता के ज्ञतर को ऊंचा करने वाले मुददे।
- कानूनी साक्षरता, पैरवी/एडवोकेसी, सूचना का अधिकार पर कार्य।
- कृषि आय को दुगना करने हेतु कृषकों प्रशिक्षण, प्रदर्शन केन्द्र व संगठनों को तैयार करना।
- प्रारम्भिक स्वास्थ्य शिक्षा, स्वच्छता पानी व प्र्यावरण संरक्षण पर कार्य।
- स्वयं सहायता बचत समूहों , युवा समूहों ,मजदूर व किसान समूहों का गठन व संचालन।
- सूक्ष्म क्रेडीट के माध्यम से गरीब परिवारों को स्थाई जीविका से जोड़ना।
- सभी समूहों को सरकारी योजनाओं लाभान्वित करना।
- जैविक खाद्य बीज व कीटनाशकों के निमार्ण हेतु प्रशिक्षण प्रदर्शन केन्द्र व संगठनों को तैयार करना।

- गरीब किसानों को जैविक खाद्य, कृषि औषधीय कृषि आदि के माध्यम से पैदावार बढ़ाना व कृषि की लागत को कम करना।
- छोटे धन्धे स्थापित करने हेतु कौशल प्रशिक्षण देना, बैंकों से ऋण दिलाकर इकाइयां स्थापित कराना।
- शोध एवं प्रशिक्षण, बैठकें, कार्यशालायें, सम्मेलन, प्रर्दशन आदि करना।

हमारी शक्ति –

- संस्था को अनुभवी व वरिष्ठ समाज सेवियों ने खड़ा किया है। जिनकी कार्य क्षमता व अनुभव हमें सामाजिक विकास के कार्यों में दिशा / सुझाव व सीख प्रदान करते हैं।
- उपमान की संस्थापिका (श्रीमती) डॉ0 बबीता जिज्ञासु कर्मठ, लगनशील, निष्ठावान, प्रशासनिक, प्रबन्धकीय, क्षमतावान है। आई0ई0सी0 विशेषज्ञों का कुशल कार्यदल ग्रामीण जन समुदाय का
- संस्थान के पास 2 एकड़ जमीन, मोटर साईकिल, कम्प्यूटर आदि के साथ – साथ स्थानीय संसाधनों को विकसित करने की वृहद सोच है।

हमारी कार्य रणनीति –

संस्थान समुदाय में आवश्यकता आधारित योजनायें परियोजनायें ही संचालित करता है। विभिन्न सामाजिक विधाओं के माध्यम से लक्ष्य समुउाय में अहसास व आवश्यकतापैउा करता है। इनकी सहभागिता सुनिश्चित करता है। सह अस्तित्व संयुक्त उत्तरदायित्व व सहसंचालिकों की भूमिका में समुदाय को देखता है।

संस्था की प्रबन्धकारी समिति के उन पदाधिकारियों एवं सदस्यों के नाम, पते, पद तथा व्यवसाय जिनको संस्था के इस स्मृति पत्र तथा तथा नियमों के अनुसार संस्था का कार्य भार सौंपा गया है।

क्र0 सं0	नाम/पिता का नाम	पद
1.	श्रीमती सुधा खरे पत्नी श्री वीरेन्द्र खरे	अध्यक्ष
2.	डॉ0 बबीता जिज्ञासु पुत्री श्री प्रेमचन्द्र	उपाध्यक्ष
3.	श्री दुर्गा प्रसाद पुत्र श्री छक्की लाल	सचिव
4.	डॉ0 ममता जैन पत्नी श्री सुधीर जैन	उपसचिव
5.	श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी श्री दलवीर	कोषाध्यक्ष
6.	श्री राघवेन्द्र सिंह पुत्र श्री साधू सिंह	परामर्शदाता
7.	श्रीमती रामरती आदिवासी पत्नी श्री कंगली आदिवासी	सदस्य

2015–2016 के कार्यों की एक झलक

इस वर्ष उपमान महिला संस्थान द्वारा किये गये कार्यो खासकर विभिन्न योजनाओं, सरकारी कार्यक्रमों एक्सपोजर, शोध तथा स्वैच्छिक प्रयासों का अति संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है।

1. जल एवं कृषि विकास कार्यक्रम :–

संस्थान द्वारा विकास खण्ड बबीना तथा बड़ागांव में स्थाई कृषि हेतु गहरी जोत तथा देशी बीजों के संरक्षण और संचयन हेतु किसानों को जागरुक किया गया और उनके सफल प्रदर्शन किया गये । 20 लाभार्थियों ने तकनीकी सलाह को स्वीकार कर कृषि आधारित प्रदर्शन किये।

1.1 – कृषक पंजीकरण – संस्थान द्वारा 245 किसानों के कृषि विभ्ज्ञाग के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाया गया। 245 किसानों के पेन कार्ड तैयार कराये गये। जिससे छोटे और गरीब किसान सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। 500से अधिक किसानों को उघान विभाग से बेर बडिंग, वृक्षारोपण, बीज वितरण आदि योजनाओं से लाभान्वित कराया गया।

1.2 कृषि उत्पादक संघ का गठन एवं पंजीकरण – नाबार्ड लखनऊ के सहयोग से बीज और खाद में किसानों को आत्म निर्भर करने के उददेश्य '' बुन्देली किसान विकास प्रोडयूसर कम्पनी का पंजीकरण कम्पनी अधिनियम के अन्तर्गत कराकर, कम्पनी का टिन पेन आदि रजिस्ट्रेशन कराये गये। इस संघ में वरीयता के आधार पर बड़ागांव तथा बबीना ब्लाक की 30 पेचायतों में कृषक जागरुकता बैठके,

प्रशिक्षण आयोजित किये । परिणाम स्वरुप 15 किसानों की एक ऐसी सशक्त टीम निकाल कर आयी जो बोर्ड आफ डायरेक्टरस के रुप में जानी जाने लगी।

1.3 " **बुन्देली किसान विकास प्रोडयूसर कम्पनी** " कम्पनी एक्ट में करवाया गया। BKVPCL.org कर साइट का निमार्ण कराया गया। जो किसान बोर्ड आफ डायरेक्टर में आये उनके प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर कराकर उन्हें व्यापार करने हेतु तैयार किया। इस बार कम्पनी ने 50000 से व्यापार प्रारम्भ किया और 12065 रु. का लाभ कमाया। वे सभी किसान भई इस लाभ से लाभन्वित हुये। प्रति शेयर मूल्य 2/– की वृद्धि हुयी।

सूखा और स्थानीय कारणों से बुत सारे किसान भाई सहमति रखने के प्श्चात भी शेयर नहीं ले सके। इधर POPI की तौर पर उपमान महिला संस्थान को भी कम्पनी को खड़ा करने में जहां अनेक तरह की परेशानियां हुयी वहीं नयी नयी सीख भी मिली।

1.4 **किसान क्लबों का गठन –** नाबाडग के सहयोग से 20 किसान का गठन केया गया। 500 से अधिक किसानों को जोड़ा गया है। समय समय खाद्य बीज, उत्पादन, विपणन प्शुपालन आदि मुददों पर इन्हें ग्राम्य स्तरीय बैठकों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया । गांव स्तर पर इनके कार्यालय स्थापित किया गये हैं।

2. पंचायत एवं युवा विकास कार्यक्रम :–

संस्थान ने पंचायतों को सशक्त तथा सक्रिय युवा और महिलाओं की एक प्रतिनिधि के साथ –साथ सक्रिय युवा और महिलाओं की एक सशक्त टीम खड़ी की जो पेचायतों की सहयोगी बनी यह सफल प्रयोग दस पंचायतों में किया गया इस टीम के माध्यम से नियमित खुली बैठकें प्रस्तावों का अनुमोदन आदि कराकर गांव के सही लाभार्थियों तक योजनाओं का सही लाभ पहुंचाया। युवाओं को किसान क्लबों से जोड़कर कृषि आय का दुगना करने उन्हें जीरो खेती की ओर अग्रसर किया है। जैविक कृषि, गौ संविधान, गोबर से वेल्यूबिल प्रोडेक्ट लेने हेतु समझ तथा क्षमता विकसित की गयी है भारतीय चारागाह अनुसंधान केन्द्र, राष्ट्रिय कृषि वानिकी एवं अनुसंधान केन्द्र, कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि विभाग बुन्देलखण्ड विश्व विघालय झांसी आदि के विशेषज्ञों के साथ युवा कृषकों की चर्चा मींटींग व प्रशिक्षण आदि प्रदान किये गये। युवाओं को कृषि के प्रति आकृष्ट करने में उक्त सरकारी विभागों का सराहनीय सहयोग रहा है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ स्वच्छता अभियान और वृक्षारोपण कार्यक्रमों में 12 इन्टर कालेज, 20 पंचायतों में सजगता से कार्य किया गया है 6700 पौध युवाओं द्वारा सुरक्षित स्थल पर रोपे गये हैं। बालिका दिवस साक्षरता दिवस महिला दिवस युवा सप्ताह सर्तकता सप्ताह कौमी एकता सप्ताह के आयोजन युवाओं पंचायतों व स्कूलों की सक्रिय भागीदारी रही।

3. महिला विकास कार्यक्रम :–

संस्थान ने इस वर्ष बंगरा व बड़ाब्लाक व मलिन बस्तियों में 07 निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों व नेत्र परीक्षण/ शिविरों का आयोजन किया। जिसमें 365 मारीज लाभान्वित हुये हैं इसके अतिरिक्त परिवार कल्याण सीमित परिवार कुपोषण टीकाकरण स्वच्छता पर ग्रामीणों को जानकारी बढ़ाने हेतु जागरूकता शिविरों तथा स्वास्थ्य विषयक नुक्कड़ नाटको का आयोन किया तथा घर घर जाकर दैनिक प्रयोग हेतु लाभार्थियों को जागरूक किया।

3.1 आय सृजन के कार्यः–

संस्था ने ग्रामीण महिला तथा पुरूषों को कृषि आधारित व्यवसाय लघु उद्योग आदि पर प्रशिक्षण प्रदान कर आय सृजन के कार्य प्रारम्भ कराये। मछली पालन औषधियों पौधों की खेती जटरोफा वायु गैस होजरी और परचुनी की दुकानें बड़ी पापड़ अगरबत्ती मोमबत्ती मेकिंग और रेडीमेन्ट जैसे विभिन्न कार्यक्रमों को 150महिलाऐं अपने घर पर कर रहीं हैं।

3.2 व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम –

संस्था में इस वर्ष 24 लाभार्थियों ने कम्प्यूटर, आपरेटिंग तथा 9 लाभार्थियों ने टैली का प्रशिक्षण प्राप्त किया सभी लाभार्थियों का सफल प्लेसमेन्ट करवा दिया गया है जो विभिन्न प्राइवेट संस्थाओं, एजेन्सियों तथा सरकारी विभागों में पाट्र टइम काम करके जीवन यापन कर रहे है। इनमें 13 लडकियां तथा 8 लड़के है जिन्हें आर्थिक रुप से आत्म निर्भर बनाया गया है।

4. वाटर शेड, जल, जंगल, जमीन के विकास कार्यः–

नाबार्ड के सहयोग व विभिन्न सरकारी ऐजेन्सियों/विभागों के विशेषज्ञों से तकनीकी अनुभव लेते हुये संस्था विकासखण्ड बबीना के ग्राम पृथ्वीपुर नयाखेड़ा व ग्राम बनगुवां में 1200 हेक्टेयर जमीन समतलीकरण, बन्धीकरण चेकडेम पौधारोपण के साथ जल संरक्षण नये पुराने स्त्रोतों सौर्य ऊर्जा पशुधन के संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य किया गया । प्रथम चरण में 110हेक्टेयर जमीन को सिंचाई व कृषि योग्य बनाया गया। वाटर शेड कार्यक्रम संस्था के टीम लीडर के नेतृत्व में ग्राम जलागम विकास समिति द्वारा संचालित किया जा रहा है।

5. एडवोकेसी व जनचेतना :–

बड़ागांव व बबीना ब्लाक के ग्राम सिमरा, पृथ्वीपुर नयाखेड़ा, बावलटांडा भोजला आदि ग्रामों में जन समुदाय खासकर महिलाओं को विभिन्न चेतना शिविरों का आयोजन कर जागरूक किया गया। सभी गांवो में जन समुदाय शिविरों का आयोजन कर सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गयी। परिणामस्वरूप ग्रामीण समुदाओं ने स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायती राज आदि की योजनाओं में 200 से अधिक लाभार्थी लाभान्वित हुए।

संस्था के अन्य कार्यक्रम

संस्था द्वारा विभिन्न विभागों की योजनाओं के माध्यम से निम्नलिखित लाभाथियों को लाभ पहुंचाया गया।

क्र	योजना	लाभार्थी	सम्बन्धित विभाग
1	वृद्धावस्था पेंशन	55	समाज कल्याण विभाग
2	विधवा पेंशन	43	जिलाप्रोवेशन कार्यालय
3	विकलांग पेंशन	8	विकलांग कार्यालय
4	किसान क्रेडिट कार्ड	23	बैंक